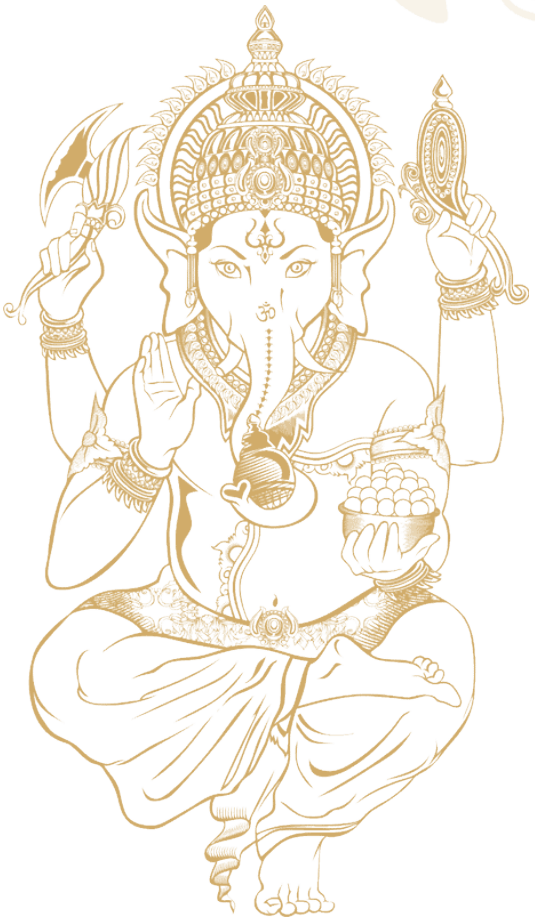

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/01/1993	जन्म तिथि	18-19/11/1996
सोमवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 16:20:00	जन्म समय	01:40:00 घंटे
घटी 22:49:10	जन्म समय(घटी)	47:22:49 घटी
India	देश	India
Pauri	स्थान	Yamunanagar
30:08:00 उत्तर	अक्षांश	30:07:00 उत्तर
78:48:00 पूर्व	रेखांश	77:18:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:14:48	स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:12:19	सूर्योदय	06:48:50
17:32:33	सूर्यास्त	17:23:07
23:45:53	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:49

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 2वर्ष 11मा 0दि	12:25:00	मिथु	लग्न	सिंह	25:41:44	राहु 9वर्ष 0मा 8दि
चन्द्र	27:28:14	धनु	सूर्य	वृश्चि	02:57:43	शनि
12/12/2021	07:46:38	सिंह	चंद्र	कुंभ	13:18:57	27/11/2021
13/12/2031	22:30:58	मिथु व	मंगल	सिंह	16:38:05	27/11/2040
चन्द्र 12/10/2022	19:57:07	धनु	बुध	वृश्चि	12:35:38	शनि 30/11/2024
मंगल 14/05/2023	20:26:50	कन्या	गुरु	धनु	22:06:41	बुध 10/08/2027
राहु 11/11/2024	14:19:36	कुंभ	शुक्र	तुला	00:58:56	केतु 18/09/2028
गुरु 13/03/2026	23:43:28	मक	शनि व	मीन	06:59:13	शुक्र 19/11/2031
शनि 13/10/2027	27:25:39	वृश्चि व	राहु	कन्या	13:01:23	सूर्य 31/10/2032
बुध 13/03/2029	27:25:39	वृष व	केतु	मीन	13:01:23	चन्द्र 01/06/2034
केतु 12/10/2029	24:31:33	धनु	हर्ष	मक	07:29:34	मंगल 11/07/2035
शुक्र 13/06/2031	24:59:13	धनु	नेप	मक	01:40:31	राहु 17/05/2038
सूर्य 13/12/2031	01:08:13	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	08:56:15	गुरु 27/11/2040

लग्न-चलित

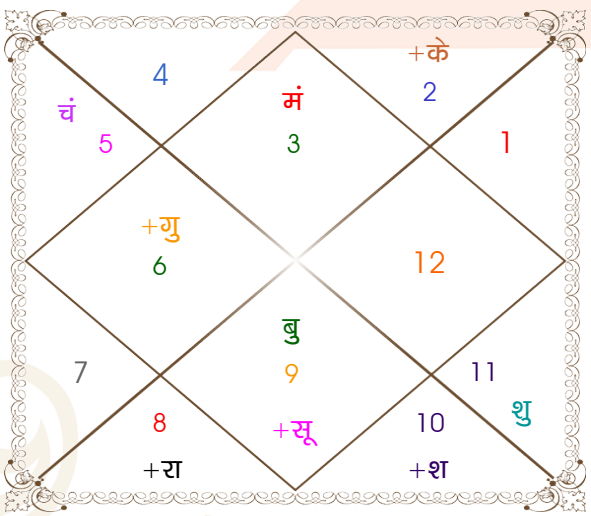

लग्न-चलित

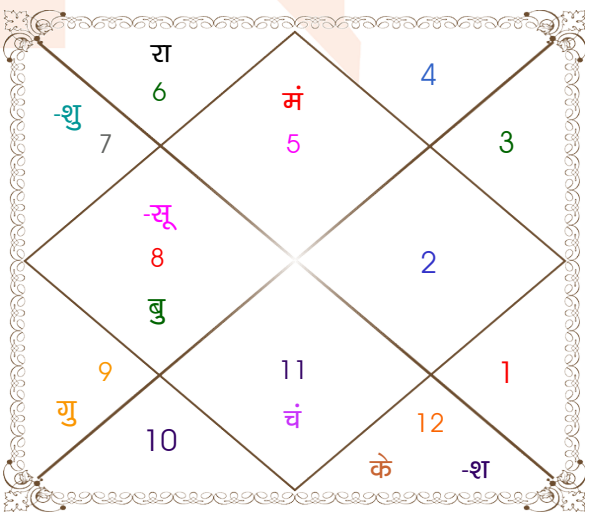

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	मानव	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	अश्व	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

Mr. का वर्ग मूषक है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।